Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अनुक्रमणिका

मंगलकामना i

प्रकाशकीय ii

प्राक्कथन iii

अनुक्रमणिका iv

प्रस्तुत सूची में प्रयुक्त संक्षेप व संकेत .... v-vi

हस्तप्रत सूचीकरण सहयोग सौजन्य एवं सादर ग्रंथ समर्पण .... vii-viii

हस्तप्रत सूची १-४७१

परिशिष्ट : कृति परिवार अनुसार प्रत-पेटाकृति अनुक्रम संख्या ४७२-५९६

१. संस्कृत, प्राकृत व अपभ्रंश भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से कृति परिवार सह प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची परिशिष्ट - १ .... ४७२-४९२

२. देशी भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से कृति परिवार सह प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची परिशिष्ट - २ .... ४९३-५९६

इस सूचीपत्र में हस्तप्रत, कृति व विद्वान/व्यक्ति संबंधी जितनी भी सूचनाएँ समाविष्ट की गई हैं, उन सबका विस्तृत विवरण व टाइप सेटिंग संबंधी सूचनाएँ भाग 7 के पृष्ठ VI एवं परिशिष्ट परिचय संबंधी सूचनाएँ भाग 7 के पृष्ठ 454 पर हैं. कृपया वहाँ पर देख लें.

प्रस्तुत **खंड २१** में निम्नलिखित संख्या में सूचनाओं का संग्रह है.

* प्रत क्रमांक - ८५६२६ से ८९३२०
* इस सूचीपत्र में मात्र जैन कृतियों वाली प्रतों का ही समावेश किए जाने के कारण वास्तविक रूप से इस खंड में ३६०८ प्रतों की सूचनाओं का समावेश हुआ है.
* समाविष्ट प्रतों में कुल ४३६९ कृति परिवारों का समावेश हुआ है.
* इन परिवारों की कुल ४५७२ कृतियों का इस सूची में समावेश हुआ है.
* सूची में उपरोक्त कृतियाँ कुल ६३४५ बार आई हैं.

For Private and Personal Use Only